शहरी विकास विभाग

ऑउटकम बजट

वित्तीय (वर्ष 2022–23)

आउटकम बजट 2022 – 23

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी०– 6 व 11

धनराशि लाख रु0 में

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले**		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
	राज्य सेक्टर								
1	अधिष्ठान व्यय	शहरी विकास निदेशालय कार्यालय अधिष्ठान	725-50	–	निदेशालय के अधिकारियों हेतु का वेतन भुगतान तथा कार्यालय सम्बन्धी अन्य व्यय	निदेशालय के कार्मिकों को वेतन भुगतान तथा कार्यालय सम्बन्धी व्यय	निदेशालय के कार्मिकों को वेतन भुगतान तथा कार्यालय सम्बन्धी व्यय	जन कल्याण कारी योजनाओं का संचालन तथा अनुश्रवण तथा नागरिको सुविधा प्रदान करना	
2	नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास	इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय निकायो की सीमान्तर्गत मूल–भूत नागरिक सुविधाये यथा–ड्रैनेज व्यवस्था, सड़क, गलियों, नालियों का निर्माण/सुधार विषयक परियोजनाए आदि हेतु नगर निकायों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। स्वीकृत की जाती है।	1150-00	1500-00	32 निकायों में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, सुरक्षा दीवार, पार्किंग आदि का निर्माण।	33 निकायों में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, सुरक्षा दीवार, पार्किंग आदि का निर्माण।	नगरीय निकायो में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, सुरक्षा दीवार, पार्किंग आदि का निर्माण।	नगरीय अवस्थापना में विकास किया जायेगा। जिससे नगरीय क्षेत्रों में खराब नाले सड़को ड्रेनेज तथा निकाय क्षेत्र के अन्तर्गत पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ हो जायेगी।	2022–213

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
3	आवारा श्वान पशु बध्याकरण	आवारा निराश्रित श्वानवंशीय पशुओं की जनसंख्या नियंत्रण हेतु आवारा श्वानवंशीय बंध्याकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके द्वारा ए0बी0सी0 कैम्पस (Animal Birth Control) की स्थापना की गयी है।	200-00	100.00	नगर निगम, देहरादून, नगर पालिका परिषद, मंसूरी एवं नैनीताल में ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना व संचालन। नगर निकाय देहरादून, नैनीताल ,मसूरी में 24173ष्वान पषुओं की बाध्यकरण ष्षल्य चिकित्सा पूर्ण कर ली गई है	➢ नैनीताल, मसूरी, देहरादून में बध्याकरण का संचालन किया जा रहा है। ➢ वर्तमान तक देहरादून में 32551 मसूरी में 1438, नैनीताल में 1576 भवाली 137 भीमताल 102 डोईवाला 754 हर्बटपुर 370 विकासनगर 840 अल्मोडा में 1000 कुल 38768 पषुओं का बाध्यकरण शल्य चिकित्सा पूर्ण। ➢ रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काषीपुर पिथौरागढ में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य प्रगति पर है।	➢ रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काषीपुर में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। ➢ आवारा पशुओं का बाध्य चिकित्सा की जायेगी।	ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना के उपरान्त निकाय क्षेत्र में आवारा घूम रहे ष्वान पशुओं की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण सम्भव हो सकेगा।	2022–23
4	**(UA-URIF)** उत्तरांखण्ड शहरी स्थानीय निकाय सुधार प्रोत्साहन निधि	योजनान्तर्गत उत्कृष्ठ नगर निकायो को प्रोत्साहन स्वरूप प्रतिवर्ष पुरूस्कृत किया जाएगा, जिनके द्वारा कूड़ा एकत्रीकरण, पृथक्कीकरण, जैविक अपशिष्ट का उपचार, अजैविक अपशिष्ट का पुनर्चक्रीकरण एवं पुर्नउपयोग तथा शेष बचे अपशिष्ट का वैज्ञानिक भू–भरण करके निकाय क्षेत्र को स्वच्छ रखने का प्रयास करेगें।	100.00	0	09 निकायों को (नगर निगम रूड़की, काशीपुर, हल्द्वानी, नगर पालिका परिषद, गौचर, मुनिकीरेती, चमोली, नगर पंचायत, अगस्तमुनी, गजा, शक्तिगढ़) को धनराशि वितरण	09 निकायों को (नगर निगम देहरादून, रूड़की, ऋषिकेश नगर पालिका परिषद, मुनिकीरेती, चम्बा नरेन्द्रनगरद नगर पंचायत, अगस्तमुनी, गूलरभोज पोखरी) को धनराशि वितरण	शहरी स्थानीय निकायों को अभिनव कार्यों के लिए प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया ताकि उनके निकाय क्षेत्र में बेहतर काम करने का प्रयास कर सकें।	शहरी स्थानीय निकायों को अभिनव कार्यों के लिए प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत	2022–23

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
5	पार्को की स्थापना	राज्य में स्थित नगरों को सुन्दर बनाने के दृष्टिगत समस्त नगर निकायों को एक बार पार्को के निर्माण तथा वर्तमान में स्थित पार्को को सुदृढ़ीकरण किया जाना ।	200-00	0.00	नगर निकाय लोहाघाट, चम्पावत में 04 पार्क का निर्माण	नगर निकाय पुरोला एवं कर्णप्रयाग में पार्क निर्माण किया गया	गढ़वाल मण्डल की प्रत्येक निकाय में दयानन्द भारती नाम से एक पार्क व कुमांऊ मण्डल की स्थानीय निकायों में खुषीराम के नाम से पार्क का निर्माण/जीर्णोद्वार ।	नगरों को सुन्दर बनाने एवं नगर निकायों में एक बार पार्को के निर्माण तथा वर्तमान में स्थित पार्को का सुदृढ़ीकरण।	2022–23
6	सड़क पर रेड़ी, फेरी, भिक्षावृत्ति, कूड़ा बिनने वाले सपेरा आदि को सहायता	राज्य सरकार द्वारा फेरी नीति का विख्यापन किया गया है, जिसके अनुसार नगर निकायो में फेरी एवं रेडी लगाने वाले वेडरों का सर्वेक्षण कराकर उन्हें एक निश्चित पर रेडी फेरी लगाने हेतु स्थान उपलब्ध कराया जायेगा ।	1000-00	0	धनराशि अवमुक्त नहीं की गई	धनराशि अवमुक्त नहीं की गई	नगर निकायो में फेरी एवं रेडी लगाने वाले वेडरों को एक निश्चित पर रेडी फेरी लगाने हेतु स्थान उपलब्ध कराया जायेगा	फेरी एवं रेडी लगाने वाले वेडरों को सामाजिक सुरक्षा प्रदात करते हुये रोजगार में संवर्द्धन।	–
7	रैन बसेरो का निर्माण	इस योजनान्तर्गत नगर निकायो में आश्रयहीन लोगों के लिए रैन बसेरों का निर्माण किया जाना	–	100.00	देवप्रयाग,चम्बा, लक्सर, लोहाघाट, कर्णप्रयाग में 06 रैन बसेरों का निर्माण कार्य किया गया।	कोटद्वार एवं पुरोला में रैन बसेरे का निर्माण	कोटद्वार एवं पुरोला में रैन बसेरे का निर्माण किया जा रहा है	शहरी क्षेत्रों में आश्रयहीन गरीब लोगों को रात्रि विश्राम, ठहरने हेतु स्थान उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें शौचालय, बिस्तर, पानी आदि की निःशुल्क व्यवस्था होती है।	2022–23
8	सफाई कर्मचारियों हेतु पारितोषिक योजना	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के कार्य की विषमता को दृष्टिगत रखते हुए उनको पारितोषिक इस योजना के अन्तर्गत उपलब्ध कराया जाना है	20.00	0.00	2000 सफाई कर्मचारी को उत्कृष्ठ कार्य के लिए निकायो के माध्यम से पुरूष्कृत किया गया है	समस्त निकायों में 2000 सफाई कर्मचारियों को पुरूष्कृत किया गया है । वर्तमान तक कुल 4000 सफाई कार्मिकों को पुरूष्कृत किया गया है	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पारितोषिक	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पारितोषिक तथा सामाजिक सुरक्षा ताकि वे बेहतर काम करने का प्रयास कर सकें।	2022–23

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
9	सफाई कर्मचारियों हेतु स्वास्थ्य आरोहण योजना	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य के हितों की रक्षा के दृष्टिगत ये योजना प्रारम्भ की गई है	100.00	0.00	नगर निकायो मे 2000 सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है	समस्त निकायो में वर्तमान तक 3000 सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण व स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराई गयी है	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य के हितों की रक्षा	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य के हितों की रक्षा ताकि वे बेहतर काम करने का प्रयास कर सकें।	2022–23
10	हाईटेक शौचालयों का निर्माण	नगर निकायों में पर्यटकों की सुविधा हेतु आधुनिक शौचालयो का निर्माण योजना प्रारम्भ की गई। इससे पर्यटकों को सुविधा प्राप्त होगी ।	––	200.00	नगर निकाय धारचुला, खटीमा, बद्रीनाथ, नईटिहरी, रूडकी, बडकोट, चम्बा, गगोत्री घनसाली, टनकपुर कुल 9 निकाय में हाईटेक शौचालय निर्मित	नगर निकाय गैरसैण, पोखरी, पुरोला पिथौरगढ, महुवाडाबरा में निर्माणाधीन है	नगर निकाय गैरसैण, पोखरी, पुरोला पिथौरगढ, महुवाडाबरा में निर्माणाधीन है	नगर निकायों में पर्यटकों तथा आम जनता की सुविधा हेतु स्वच्छ शौचालय, बाथरूम की व्यवस्था की गयी है	2022–23
11	निदेशालय भवन नि0	शहरी विकास विभाग के निदेशालय कार्यालय हेतु भवन उपलब्ध कराना	–	500.00	निदेशालय का भवन नही है	बजट प्राविधानित नही	शहरी विकास निदेशालय के लिए कार्यालय भवन का निर्माण	जनसुविधाओं के दृष्टिगत निदेशालय भवन का निर्माण	2022–23
12	सफाई कर्मचारी बीमा योजना	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को बीमित करने हेतु राजकीय अशंदान	31.50	––	–	––	नगर निकायो में कार्यरत सफाई कर्मचारियों का बीमा कराया जाना प्रस्तावित है	सफाई कर्मचारियों बीमित होने उन्हें दुर्घटना पर बीमा का लाभ प्राप्त कराया जायेगा	2022–23
13	नगरीय पर्यावरण परिषद	नगरीय पर्यावरण सरक्षण परिषद के मा0 अध्यक्ष/उपाध्यक्ष का मानदेय आदि भुगतान	3.90	––	––	––	नगरीय पर्यावरण सरक्षण परिषद के मा0 अध्यक्ष/उपाध्यक्ष का मानदेय आदि भुगतान	जन कल्याण कारी योजनाओं का संचालन तथा अनुश्रवण तथा नागरिको सुविधा प्रदान करना	2022–23

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले** लाख रूपये में		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
14	(बाह्य सहायतित) नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	ADB के सहयोग से 02 शहरेा (देहरादून एवं नैनीताल) में नगरीय अवस्थापना जैसे सीवरेज, वॉटर सप्लाई तथा स्लम का सुदृढ़ीकरण व विकास किया जायेगा। • वाटर सप्लाई – 136 कि.मी. • सीवर – 260 कि.मी. • एस0टी0पी0 – 03 नग (46 एम0एल0डी0) • बरसाती जल प्रबंधन – 117 कि.मी. सीवर कनैक्शन – 17410 नग	2063.00	5000.00	05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य, का कार्य पूर्ण 6 नये पम्प हाऊस निर्माण 204 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, 49550 घरों में जलापूर्ति पाईप लाईन 8500 घरो में सीवरेज का संयोजन। 173 नलकूप का निर्माण किया गया। 19 पेयजल शोधन संयंत्रों की स्थापना की गयी। 02 एस0टी0पी जिनकी कुल क्षमता 305 एम0एल0डी0 का निर्माण किया गया है।	05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य, का कार्य पूर्ण 6 नये पम्प हाऊस निर्माण 204 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, 49550 घरों में जलापूर्ति पाईप लाईन 8500 घरो में सीवरेज का संयोजन, 173 नलकूप का निर्माण, 19 पेयजल शोधन संयंत्रों की स्थापना , 02 एस0टी0पी जिनकी कुल क्षमता 305 एम0एल0डी0 का निर्माण किया गया है। नई परियोजना के अन्तर्गत स्वीकृत नवीन ऋण हेतु ए0डी0बी0 के साथ MOU पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें प्रथम चरण के कार्यों हेतु 06 सब प्रोजेक्ट्स (लगभग रू0 800 करोड़) की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर कॉन्ट्रैक्टर हस्ताक्षर किया गया। सर्विस इन्प्रूवमेंट प्लान (SIP) की अवधि संचालित है, डिजाईन एंड ड्राईंग कॉन्ट्रेक्टर द्वारा जमा की जानी प्रस्तावित।	देहरादून एवं नैनीताल में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य किए जायेंगे। जन–जागरूकता तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जल अपव्यय को रोकने तथा सीवरेज के प्रबन्धन हेतु सम्बन्धित कर्मचारियों, अभियन्ताओं आदि हेतु क्षमता–वर्धन कार्यशालाओं का आयोजन। बेहतर राजस्व संकलन हेतु सुनियोजित व व्यवस्थित रूपरेखा के अनुसार संचालन एवं रखरखाव का कार्य किया जायेगा। • वाटर सप्लाई – 136 कि.मी. • सीवर – 260 कि.मी. • एस0टी0पी0 – 03 नग (46 एम0एल0डी0) • बरसाती जल प्रबंधन – 117 कि.मी. सीवर कनैक्शन – 17410 नग	उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में स्थायी, सक्षम और उत्तरदायी सेवाओं के प्रतिपादन हेतु कार्य किया जाना, पर्यावरणीय स्थिरता को आसान बनाना इस परियोजना का समग्र उद्देश्य है। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण विकास कार्यों में आने वाले अंतरालों की पहचान कर पहले से तैयार सभी बुनियादी अवस्थापनों को एकीकृत किया जाना। आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24X7) पेयजल, जल–मल प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क आदि) में शहरी जीवनशैली के स्तर अनुसार गुणवत्तापूर्ण सुधार। निकट भविश्य में नगरीय जनसंख्या के दबाव सहने योग्य तथा आकांक्षाओं पर खरा उतरने हेतु, सभी पर्याप्त सुविधाओं से सुसज्जित, सुनियोजित तंत्र का निर्माण करना।	2022–28

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
15	(बाह्य सहायतित) नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण – 2	ADB के सहयोग से प्रथम चरण में पांच नगर निकायों (डोईवाला, किच्छा विकासनगर, पिथौरागढ़,खटीमा) में आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24x7) पेयजल, जल–मल प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क और यातायात सुधार आदि) में शहरी जीवनशैली के स्तर अनुसार गुणवत्तापूर्ण सुधार।	1100.00	0.01	परियोजना का प्रारम्भिक प्राक्कलन एवं नियोजन सम्बन्धित कार्य।	प्रथम चरण में पांच नगर निकायों डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, किच्छा, खटीमा हेतु डीपीआर तैयार कर एडीबी को प्रेषित की जा चुकी है।	प्रथम चरण में तीन जिलों (देहरादून, पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर) के पांच नगर निकायों (डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, किच्छा, खटीमा) में 24ग7 पेयजल, अपशिश्ट जल प्रबन्धन, बरसाती जल प्रबन्धन, षहरी सड़कें, यातायात और पार्किंग, वैंडिंग जोन, सूचना संपर्क तकनीकी और ओपन स्पेस जैसे कार्य किए जायेंगे।	स्वचालित स्काडा तकनीक से चौबीस घंटे पानी की सुविधा, प्रत्येक घर में पेयजल मीटर लगाकर पानी के अपव्यय को कम किया जा सके। अपशिष्ट जल प्रबन्धन। बरसाती पानी का प्रबन्धन सड़कों व पार्किंग का निर्माण कर यातायात प्रबन्धन छोटे फुटकर व्यापारियों हेतु वैन्डिंग जोन का निर्माण किया जायेगा। अवस्थापना विकास कार्यों के फलस्वरूप नगरीय अर्थव्यवस्था में सुधार होगा तथा नागरिक विकास स्तर भी सुदृढ़ होगा।	2022–28
16	(बाह्य सहायतित) स्मार्ट सिटी देहरादून	देहरादून शहर को स्मार्ट सिटी विकसित किया जाना	1000.00	1500.00	स्मार्ट सिटी देहरादून के लिए बाह्य सहायतित ए0डी0बी0 से ऋण प्राप्त करना	डी0पी0आर0 प्रक्रियाधीन है।	डी0पी0आर0 पर स्वीकृति प्राप्त कर ए0डी0बी0 से ऋण प्राप्त की प्रक्रिया पूर्ण करना	देहरादून नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा निवासियों को उपलब्ध होगी।	21–25
17	बाह्य सहायतित नगरीय अवस्थापना सुदृढीकरण (हल्द्वानी)	हल्द्वानी नगर निकाय क्षेत्रान्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं का विकास	500.00	10.00	हल्द्वानी नगर निकाय क्षेत्रान्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं का विकास हेतु ऋण प्राप्त करना	डी0पी0आर0 प्रक्रियाधीन है।	डी0पी0आर0 पर स्वीकृति प्राप्त कर ए0डी0बी0 से ऋण प्राप्त की प्रक्रिया पूर्ण करना	हल्द्वानी नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा निवासियों को उपलब्ध होगी।	21–25

आउटकम बजट 2022 – 23

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 1

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउटले** लाख रूपये में		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
18	राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन **(NULM)**	शहरी क्षेत्र में रह रहे गरीब परिवारों का सामाजिक व आर्थिक क्षमता विकास करते हुये प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहायता के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना एवं उनकी आजीविका को मजबूत करना है। जिससे वह सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें।	900-00	100.00	1. सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 1709 महिला स्वयं सहायता समूहों व 36 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 11963 महिलाओ का आजीविका संवर्द्धन। 2. स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्गत 5325 लाभार्थियों ऋण वितृत किया गया। 3. शहरी पथ विकेताओं की सहायता के अन्तर्गत 5238 स्ट्रीट वेण्डर को पहचान पत्र वितरित। 4. . शहरी निराश्रितों हेतु 12 रैन बसेरा का निर्माण स्वीकृत, जिसके सापेक्ष 09 रैन बसेरो का संचालन प्रारम्भ व 03 रैन बसेरे निर्माणाधीन। 5. कौशल विकास के अंतर्गत 18512 लाभार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण 7559 लाभार्थियों को रोजगार व 607 लाभार्थियों का स्वरोजगार से जुड़ाव।	➢ सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 2357 महिला स्वयं सहायता समूहों 50 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 16499 महिलाओ का आजीविका संवर्द्धन। ➢ स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 6459 को व्यक्तिगत ऋण वितृत किया गया। 5. . शहरी निराश्रितों हेतु 12 रैन बसेरा का निर्माण स्वीकृत, जिसके सापेक्ष 10 रैन बसेरो का संचालन प्रारम्भ व 03 रैन बसेरे निर्माणाधीन। 5. कौशल विकास के अंतर्गत 18572 लाभार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण 7559 लाभार्थियों को रोजगार व 607 लाभार्थियों का स्वरोजगार से जुड़ाव।	➢ सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 2960 महिला स्वयं सहायता समूहों व 80 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 20720 महिलाओ का आजीविका संवर्द्धन। ➢ स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 7449 व्यक्तिगत ऋण वितरित किये जाने का लक्ष्य है। ➢ कौशल विकास के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के अंतर्गत 5000 लाभार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ➢ शहरी निराश्रितों हेतु 04 रैनबसेरा का निर्माण स्वीकृत, जिसके सापेक्ष 11 रैनबसेरो का संचालन प्रारम्भ व 02 रैनबसेरे निर्माणाधीन।	➢ राज्य में शहरी क्षेत्रों मे गरीब महिलाओं को स्वयंसहायता समूह क्षेत्र स्तरीय नगरस्तरीय संघ के माध्यम से उनकी आजीविका में सुधार होगी। ➢ .कौशल विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से बेरोजगारों हेतु मांगानुरूप प्रशिक्षण आयोजित कर 70 प्रतिशत लाभार्थियो को रोजगार/स्वरोजगार से जुड़ाव तथा उनकी आजीविका में सुधार होगी। संस्थागत ऋण उपलब्ध होगा एवं सामाजिक सुरक्षा तथा स्वरोजगार के माध्यम से शहरी गरीबों का आजीविका के स्तरको बढ़ावा मिलेगा। ➢ शहरी पथविक्रेताओं आजीविका हेतु उन्हें उपयुक्त स्थान, सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध होगी।	2022–23

आउटकम बजट 2022 – 23

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 11 व 12

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले** लाख रूपये में		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
19	अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन	भारत सरकार द्वारा नगर निगम देहरादून, हरिद्वार, रूड़की, काशीपुर रूद्रपुर हल्द्वानी–काठगोदाम तथा नगर पालिका परि0 नैनीताल में अमृत योजना प्रत्येक परिवार को निश्चित जलापूर्ति व सीवेज कनैक्शन उपलब्ध कराना। 2. हरित क्षेत्र और सुव्यवस्थित खुले मैदान (अर्थात पार्क) विकसित करके शहरों की भव्यता में वृद्धि करना ।	3000.00	1335.00	जलापूर्ति (लक्ष्य– 47 योजना) के सापेक्ष 10 योजनाएं पूर्ण, 37 योजनाओं कार्य प्रगति पर। सीवरेज (लक्ष्य– 44 योजना) के सापेक्ष 25 योजनाएं पूर्ण, 19 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ड्रेनेज (लक्ष्य–16) 6 पूर्ण, 10 योजनाओं का कार्य प्रगति पर। ग्रीनस्पेस/पार्क (लक्ष्य–44) के सापेक्ष 24 योजनाए पूर्ण, 20 योजनाओं का कार्य प्रगतिपर।	➢ जलापूर्ति (लक्ष्य– 47 योजना) के सापेक्ष 10 योजनाएं पूर्ण, 37 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ➢ सीवरेज (लक्ष्य– 44 योजना) के सापेक्ष 25 योजनाएं पूर्ण, 19 कार्य प्रगति पर। ड्रेनेज सेक्टर (लक्ष्य–16) 6 योजनाओं कार्य 10 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ➢ ग्रीन स्पेस/पार्क सेक्टर (लक्ष्य–44) के सापेक्ष 24 योजनाएं पूर्ण, 20 कार्य प्रगति पर। ➢ नैनीताल, हल्द्वानी, रूद्रपुर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार, रूड़की के लिए मास्टर प्लान तैयार किये जाने हेतु जी0आई0एस0 मैपिंग का काम प्रगति पर है।	➢ जलापूर्ति सेक्टर 40 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ सीवरेज सेक्टर 25 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ ड्रेनेज सेक्टर 12 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ ग्रीन स्पेस/पार्क सेक्टर 26 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ नैनीताल, हल्द्वानी, रूद्रपुर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार, रूड़की के लिए मास्टर प्लान तैयार किये जाने हेतु जी0आई0एस0 मैपिंग कार्य पूर्ण करना	➢ लागों को यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परिवार को निश्चित जलापूर्ति व सीवरेज कनैक्शन सहित नल सुलभ है। ➢ बाढ़ को कम करने और समाप्त करने के उद्देश्य से नालों व वर्षा जन नालों का निर्माण और सुधार। ➢ हरित क्षेत्र और सुव्यवस्थि4त खुले मैदान (अर्थात पार्क) विकसित करके शहरों की भव्यता में वृद्धि करना। ➢ जी0आई0एस0 मैपिंग के फलस्वरूप अमृत शहरों के अन्तर्गत विकास कार्यों के लिए परियोजना तैयार करने में सुविधा होगी।	2022–23

आउटकम बजट 2022 – 23

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 01, 06 व 11

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले** लाख रूपये में		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
20	प्रधानमन्त्री आवास योजना	प्रधानमन्त्री आवास परियोजनान्तर्गत सभी नगर निकायों में निवासरत लोगों को बेहतर सुख–सुविधाओं के साथ आवास उपलब्ध कराना है। इस योजनान्तर्गत जिनके व्यक्तियों के पास अपना आवास नही है तथा जीर्ण–शीर्ण दशाओं में रहते है की दशा में सुधार करने के लिये एक दृष्टिकोण अपनाते हुए लाभान्वित करते हुए बुनियादी अवस्थापना सुविधाएं जैसेः–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध करने प्रयास करना है।	13628.00	0.00	योजनान्तर्गत 1025 आवास पूर्ण किये गये है तथा 7640 मकान का काम प्रगति पर है ।	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 190 परियोजनाएं में 14033 आवास स्वीकृत 8916 आवासों पर कार्य प्रगति पर व 3950 आवास पूर्ण । ➢ भागीदारी में किफायती आवास घटक अंतर्गत 29 परियोजनाओं में 29900 आवास स्वीकृत 464 पर कार्यपूर्ण तथा 768 आवासों पर कार्य प्रगति पर।	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 6500 आवास को पूर्ण करा लिया जायेगा। ➢ भागीदारी मे किफायती आवास घटक अंतर्गत 768 आवासों को पूर्ण कराने तथा 12000 आवासों का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।	➢ इस परियोजना के अन्तर्गत आवासों का निर्माण करते हुए शहरी क्षेत्र में लोगों को अपना आवास तथा बुनियादी अवस्थापना सुविधाए जैसेः–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध होगी।	2020–22

आउटकम बजट 2022 – 23

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 01, 06, 11 व 12

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले** लाख रूपये में		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
21	स्वच्छ भारत मिशन	स्वच्छ भारत मिशन के मुख्य उद्देश्य ''खुले में शौच'' की प्रवृत्ति का उन्मूलन। मैला ढोने की प्रवृत्ति का उन्मूलन। आधुनिक और वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन। स्वच्छता से सम्बन्धित जन व्यवहार में परिवर्तन।स्वच्छता के प्रति तथा स्वच्छता के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जागरूकता लाना। नगर निकायों की क्षमता अभिवृद्धि करना है।	321.00	4800.00	1 21250 शौचालय पूर्ण निर्मित 2– 1355 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण 3– 173 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मित तथा 35 निर्माणाधीन। 4- कुल 1134 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है।	24000 शौचालय पूर्ण निर्मित । 2– 2000 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण । 3– 600 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मित । 4- कुल 1152 वार्डों में से घर–घर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है तथा 1040 वार्डो में Source Segregation किया जा रहा है।	1– 3640 शौचालय का निर्माण । 2– 748 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का निर्माण। 3– 400 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय का निर्माण 4- 61 निकायों में ठोस अपषिष्ट प्रबन्धन का कार्य पूर्ण कराया जाना ।	➢ .जिन घरों में शौचालय नहीं थे उन घरों में शौचालय का निर्माण ➢ नगरों में खुले में शौच की प्रवृत्ति का उन्मूलन ➢ नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता ➢ ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण।	2022–23

आउटकम बजट 2022– 23

शहरी विकास विभाग विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 01, 06, 11 व 12 वित्तीय लाख रूपये में

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले**		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
22	स्मार्ट सिटी योजना	स्मार्ट सिटी के अर्न्तगत देहरादून का शहर का चयन किया जाना प्रस्तावित है, जिसके अर्न्तगत शहर सुनियोजित विकास किया जायेगा	1000-00	17000.00	परियोजना के अन्तर्गत इन्ट्रीग्रेटेड कमांड कन्ट्रोल का कार्य, वाटर ए0टी0एम0, स्मार्ट टायलेट, स्मार्ट स्कूल के निर्माण का कार्य प्रारम्भ।	➢ 04 स्मार्ट टायलेटों का निर्माण पूर्ण ➢ 24 वाटर ए0टी0एम0 की स्थापित किये जायेगे। ➢ 1200 मीटर सिवरेज लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ पल्टन बाजार विकास का कार्य प्रगति पर ➢ 50 वेरियेबल मैसेल साईन बोर्ड, 50 एनवायरमेंट सेन्सर, 528 सर्विलेंस कैमरा स्थापित ➢ 16 इन्टेलिजेंट पोल स्थापित किये जा चुके है। ➢ इन्टेलिजेन्ट पोल के साथ ही 70 कि0मी0 ओ0एफ0सी0 केबल बिछाने का कार्य पूर्ण किया जायेगा।	➢ शेष 03 स्मार्ट टायलेट का निर्माण ➢ शेष पल्टन बाजार का विकास कार्य पूर्ण किया जायेगा ➢ शेष 20 इलेक्ट्रिक बसों का संग्रहण किया जायेगा। ➢ इन्ट्रीग्रेटेड कमांड कन्ट्रोल सेन्टर के अन्तर्गत स्टेट डाटा सेन्टर की स्थापना का कार्य पूर्ण। ➢ शेष इन्टेलिजेन्ट पोल के साथ–साथ 100 कि0मी0 ओ0एफ0सी0 केबल बिछाने का कार्य पूर्ण किया जायेगा।	➢ देहरादून नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा निवासियों को उपलब्ध होगी।	2022–23
23	स्मार्ट सिटी CITIIS	सिटी इन्वेस्टमेन्ट इनोवेट इटीग्रेड एण्ड सस्टेन (CITIIS) के अर्न्तगत फुटपाथो का निर्माण,रैलिग, ओबरब्रिज आदि का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है ।				➢	देहरादून शहर में बच्चो के स्कूल आने जाने के लिए पर्याप्त फुटपाथो का निर्माण, फुटपाथो की रैलिग, ओबरब्रिज, स्कूल लाईब्रेरी, कम्प्यूटरीकरण आदि का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है	बच्चो के स्कूल आने जाने के लिए पर्याप्त फुटपाथो का निर्माण, फुटपाथो की रैलिग, ओबरब्रिज आदि का निर्माण से यातायात सुगम होगा । लाईब्रेरी व कम्प्यूटर की स्थापना से बच्चो का शैक्षिणिक ज्ञान में वृद्वि होगी	2022–23

आउटकम बजट 2022 – 23

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 1,11 व 12

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	**प्रस्तावित आउट ले** लाख रूपये में		01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
24	अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन – 02	अमृत –02 के अर्न्तगत अमृत शहरो में अवशेष सीवरेज तथा समस्त नगर निकायों में पेयजल एवं जलापूर्ति के कार्य कराये जायेगे। प्रत्येक परिवार को पेयजल नल उपलब्ध करायेगे।	1200.00	4535.00	योजना वित्तीय वर्ष 2022–23 से प्रारम्भ की जायेगी ।	योजना वित्तीय वर्ष 2022–23 से प्रारम्भ की जायेगी ।	योजना वित्तीय वर्ष 2022–23 से प्रारम्भ की जायेगी , जिसे समस्त नगर निकायों में पेयजल का सवेक्षण कराकर परियोजनायें अनुमोदित कराकर धनावटन हेतु भारत सरकार को प्रेषित की जायेगी। अमृत शहरो सीवरेज का अवशेष कार्य निर्मित करना नगर निकायों में पेयजल योजनाये निर्मित कराना	➢ लोगों को यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परिवार को निश्चित जलापूर्ति नल सुलभ है।	2022–27
25	स्वच्छ भारत मिशन –02	स्वच्छ भारत मिशन के मुख्य उद्देश्य ''खुले में शौच'' की प्रवृत्ति का उन्मूलन। मैला ढोने की प्रवृत्ति का उन्मूलन। आधुनिक और वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन। स्वच्छता से सम्बन्धित जन व्यवहार में परिवर्तन।स्वच्छता के प्रति तथा स्वच्छता के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जागरूकता लाना। नगर निकायों की क्षमता अभिवृद्धि करना है।	2510.00	2300.00	वित्तीय वर्ष 2022–23 से स्वच्छ भारत मिषन–02 नई योजना प्रारम्भ की है।	वित्तीय वर्ष 2022–23 से स्वच्छ भारत मिषन–02 नई योजना प्रारम्भ की है।	1– 3000 व्य0 शौचालय का निर्माण । 2– 50 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का निर्माण। 3– 50 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय का निर्माण 4- 07 निकायों में लिगेसी वेस्ट निस्तारण का कार्य प्रारम्भ	➢ .जिन घरों में शौचालय नहीं थे उन घरों में शौचालय का निर्माण ➢ नगरों में खुले में शौच की प्रवृत्ति का उन्मूलन ➢ नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता	2022–27

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप 2022–23
शहरी विकास विभाग

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
1	**1.No Poverty** No of homeless household Functional SHGs to total SHGs formed Share of credit linked SHGs under NULM to total SHGs	डे–एनएलयूएम के अन्तर्गत सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 1709 महिला स्वयं सहायता समूहों व 36 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 11963 महिलाओ का आजीविका संवर्द्धन। 1. स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्गत 5325 लाभार्थियों ऋण वितृत किया गया। 2. शहरी पथ विक्रेताओं की सहायता के अन्तर्गत 5238 स्ट्रीट वेण्डर को पहचान पत्र वितरित। 3. . शहरी निराश्रितों हेतु 12 रैन बसेरा का निर्माण स्वीकृत, जिसके सापेक्ष 09 रैन बसेरो का संचालन प्रारम्भ व 03 रैन बसेरे निर्माणाधीन। 4. कौशल विकास के अंतर्गत 18512 लाभार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण 7559 लाभार्थियों को रोजगार व 607 लाभार्थियों का स्वरोजगार से जुड़ाव।	➢ सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 2357 महिला स्वयं सहायता समूहों 50 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 16499 महिलाओ का आजीविका संवर्द्धन। ➢ स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 6459 को व्यक्तिगत ऋण वितृत किया गया। . कौशल विकास के अंतर्गत 18572 लाभार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण 7559 लाभार्थियों को रोजगार व 607 लाभार्थियों का स्वरोजगार से जुड़ाव।	➢ सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 2960 महिला स्वयं सहायता समूहों व 80 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 20720 महिलाओ का आजीविका संवर्द्धन। ➢ स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 7449 व्यक्तिगत ऋण वितरित किये जाने का लक्ष्य है। ➢ कौशल विकास के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के अंतर्गत 5000 लाभार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ➢ शहरी निराश्रितों हेतु 04 रैनबसेरा का निर्माण स्वीकृत, जिसके सापेक्ष 11 रैनबसेरो का संचालन प्रारम्भ व 02 रैनबसेरे निर्माणाधीन।	➢ राज्य में शहरी क्षेत्रों मे गरीब महिलाओं को स्वयंसहायता समूह क्षेत्र स्तरीय नगरस्तरीय संघ के माध्यम से उनकी आजीविका में सुधार होगी। ➢ .कौशल विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से बेरोजगारों हेतु मांगानुरूप प्रशिक्षण आयोजित कर 70 प्रतिशत लाभार्थियो को रोजगार/स्वरोजगार से जुड़ाव तथा उनकी आजीविका में सुधार होगी। संस्थागत ऋण उपलब्ध होगा एवं सामाजिक सुरक्षा तथा स्वरोजगार के माध्यम से शहरी गरीबों का आजीविका के स्तरको बढ़ावा मिलेगा। ➢ शहरी पथविक्रेताओं आजीविका हेतु उन्हें उपयुक्त स्थान, सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध होगी।
	% age HH covered in Urban areas वर्तमान में 05 प्रतिशत जो कि 1. 04 लाख है को योजना में लाभांवित किया जाना है।	प्रधानमन्त्री आवास योजनान्तर्गत 1025 आवास पूर्ण किये गये है तथा 7640 मकान का काम प्रगति पर है ।	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 190 परियोजनाएं में 14033 आवास स्वीकृत 8916 आवासों पर कार्य प्रगति पर व 3950 आवास पूर्ण । ➢ भागीदारी में किफायती आवास घटक अंतर्गत 29 परियोजनाओं में 29900 आवास स्वीकृत 464 पर कार्यपूर्ण तथा 768 आवासों पर कार्य	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 6500 आवास को पूर्ण करा लिया जायेगा। ➢ भागीदारी मे किफायती आवास घटक अंतर्गत 768 आवासों को पूर्ण कराने तथा 12000 आवासों का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।	➢ इस परियोजना के अन्तर्गत आवासों का निर्माण करते हुए शहरी क्षेत्र में लोगों को अपना आवास तथा बुनियादी अवस्थापना सुविधाए जैसेः–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
			प्रगति पर।		
	% age of households by IHHL (urban) स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत लाभांवित किया जाना है। % age of slum areas covered - 30 प्रतिशत % age of households by IHHL (urban) शेष 04 प्रतिशत जनसंख्या का आच्दित किया जाना है। % age of door to door waste collection- 93 प्रतिशत डोर – 2 – डोर कुडा संग्रहण किया जा रहा है।	स्वच्छ भारत मिषन योजनान्तर्गत 21250 शौचालय पूर्ण निर्मित	24000 शौचालय पूर्ण निर्मित ।	1– 3640 शौचालय का निर्माण ।	➢ .जिन घरों में शौचालय नहीं थे उन घरों में शौचालय का निर्माण ➢ नगरों में खुले में शौच की प्रवृत्ति का उन्मूलन
2	**6 Clean water and sanitation**	अवस्थापना विकास निधि के अर्न्तगत 32 निकायों में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा,	33 निकायों में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, का निर्माण।	नगरीय निकायो में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, का निर्माण।	नगरीय अवस्थापना में विकास किया जायेगा। जिससे नगरीय क्षेत्रों में खराब नाले सड़को ड्रेनेज तथा निकाय क्षेत्र के अन्तर्गत पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ हो जायेगी।
		हाइटेक शौचालय निर्माण योजनान्तर्गत नगर निकाय धारचुला, खटीमा, बद्रीनाथ, नईटिहरी, रूडकी, बडकोट, चम्बा, गगोत्री घनसाली, टनकपुर कुल 9 निकाय में हाईटेक शौचालय निर्मित	नगर निकाय गैरसैण, पोखरी, पुरोला पिथौरगढ, महुवाडाबरा में निर्माणाधीन है	नगर निकाय गैरसैण, पोखरी, पुरोला पिथौरगढ, महुवाडाबरा में निर्माणाधीन है	नगर निकायों में पर्यटकों तथा आम जनता की सुविधा हेतु स्वच्छ शौचालय, बाथरूम की व्यवस्था की गयी है

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
2	**6.Clean water and sanitation**	बाह्य सहायतित योजना ए0डी0बी0–1 के अर्न्तगत 05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य, का कार्य पूर्ण 6 नये पम्प हाऊस निर्माण 204 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, 49550 घरों में जलापूर्ति पाईप लाईन 8500 घरो में सीवरेज का संयोजन। 173 नलकूप का निर्माण किया गया। 19 पेयजल शोधन संयंत्रों की स्थापना की गयी। 02 एस0टी0पी जिनकी कुल क्षमता 305 एम0एल0डी0 का निर्माण किया गया है।	05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन 6 नये पम्प हाऊस निर्माण 204 कि0मी0 सीवर लाईन 49550 घरों में जलापूर्ति पाईप लाईन 8500 घरो में सीवरेज का संयोजन, 173 नलकूप निर्माण, 19 पेयजल शोधन संयंत्रों की स्थापना , 02 एस0टी0पी जिनकी कुल क्षमता 305 एम0एल0डी0 का निर्माण किया गया है। नई परियोजना के अन्तर्गत स्वीकृत नवीन ऋण हेतु ए0डी0बी0 के साथ MOU पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें प्रथम चरण के कार्यों हेतु 06 सब प्रोजेक्ट्स (लगभग रू0 800 करोड़) की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर कॉन्ट्रैक्टर हस्ताक्षर किया गया। सर्विस इन्प्रूवमेंट प्लान (SIP) की अवधि संचालित है, डिजाईन एंड ड्राईंग कॉन्ट्रेक्टर द्वारा जमा की जानी प्रस्तावित।	देहरादून एवं नैनीताल में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य किए जायेंगे। जन–जागरूकता तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जल अपव्यय को रोकने तथा सीवरेज के प्रबन्धन हेतु सम्बन्धित कर्मचारियों, अभियन्ताओं आदि हेतु क्षमता–वर्धन कार्यशालाओं का आयोजन। बेहतर राजस्व संकलन हेतु सुनियोजित व व्यवस्थित रूपरेखा के अनुसार संचालन एवं रखरखाव का कार्य किया जायेगा। ● वाटर सप्लाई – 136 कि.मी. ● सीवर – 260 कि.मी. ● एस0टी0पी0 – 03 नग (46 एम0एल0डी0) ● बरसाती जल प्रबंधन – 117 कि.मी. सीवर कनैक्शन – 17410 नग	उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में स्थायी, सक्षम और उत्तरदायी सेवाओं के प्रतिपादन हेतु कार्य किया जाना, पर्यावरणीय स्थिरता को आसान बनाना इस परियोजना का समग्र उद्देश्य है। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण विकास कार्यों में आने वाले अंतरालों की पहचान कर पहले से तैयार सभी बुनियादी अवस्थापनों को एकीकृत किया जाना। आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24X7) पेयजल, जल–मल प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क आदि) में शहरी जीवनशैली के स्तर अनुसार गुणवत्तापूर्ण सुधार। निकट भविश्य में नगरीय जनसंख्या के दबाव सहने योग्य तथा आकांक्षाओं पर खरा उतरने हेतु, सभी पर्याप्त सुविधाओं से सुसज्जित, सुनियोजित तंत्र का निर्माण करना।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
		बाह्य सहायतित योजना ए0डी0बी0–1 के अर्न्तगत परियोजना का प्रारम्भिक प्राक्कलन एवं नियोजन सम्बन्धित कार्य।	प्रथम चरण में पांच नगर निकायों डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, किच्छा, खटीमा हेतु डीपीआर तैयार कर एडीबी को प्रेषित की जा चुकी है।	प्रथम चरण में तीन जिलों (देहरादून, पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर) के पांच नगर निकायों (डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, किच्छा, खटीमा) में 24 X7 पेयजल, अपशिश्ट जल प्रबन्धन, बरसाती जल प्रबन्धन, षहरी सड़कें, यातायात और पार्किंग, वैंडिंग जोन, सूचना संपर्क तकनीकी और ओपन स्पेस जैसे कार्य किए जायेंगे।	स्वचालित स्काडा तकनीक से चौबीस घंटे पानी की सुविधा, प्रत्येक घर में पेयजल मीटर लगाकर पानी के अपव्यय को कम किया जा सके। अपशिष्ट जल प्रबन्धन। बरसाती पानी का प्रबन्धन सड़कों व पार्किंग का निर्माण कर यातायात प्रबन्धन छोटे फुटकर व्यापारियों हेतु वैन्डिंग जोन का निर्माण किया जायेगा।
		अटल मिशन के अर्न्तगत जलापूर्ति (लक्ष्य– 47 योजना) के सापेक्ष 10 योजनाएं पूर्ण, 37 योजनाओं कार्य प्रगति पर। सीवरेज (लक्ष्य– 44 योजना) के सापेक्ष 25 योजनाएं पूर्ण, 19 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ड्रेनेज (लक्ष्य–16) 6 पूर्ण, 10 योजनाओं का कार्य प्रगति पर।	➢ जलापूर्ति (लक्ष्य– 47 योजना) के सापेक्ष 10 योजनाएं पूर्ण, 37 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ➢ सीवरेज (लक्ष्य– 44 योजना) के सापेक्ष 25 योजनाएं पूर्ण, 19 कार्य प्रगति पर। ड्रेनेज सेक्टर (लक्ष्य–16) 6 योजनाओं कार्य 10 योजनाओं कार्य प्रगति पर।	➢ जलापूर्ति सेक्टर 40 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ सीवरेज सेक्टर 25 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ ड्रेनेज सेक्टर 12 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा।	➢ लागों को यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परिवार को निश्चित जलापूर्ति व सीवरेज कनैक्शन सहित नल सुलभ है। ➢ बाढ़ को कम करने और समाप्त करने के उद्देश्य से नालों व वर्षा जन नालों का निर्माण और सुधार।
		स्वच्छ भारत मिषन के अर्न्तगत 21250 शौचालय पूर्ण निर्मित 2– 1355 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण 3– 173 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मित तथा 35 निर्माणाधीन। 4- कुल 1134 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है।	24000 शौचालय पूर्ण निर्मित । 2– 2000 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण । 3– 600 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मित । 4- कुल 1152 वार्डों में से घर–घर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है तथा 1040 वार्डो में Source Segregation किया जा रहा है।	1– 3640 शौचालय का निर्माण । 2– 748 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का निर्माण। 3– 400 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय का निर्माण 4- 61 निकायों में ठोस अपषिष्ट प्रबन्धन का कार्य पूर्ण कराया जाना	➢ .जिन घरों में शौचालय नहीं थे उन घरों में शौचालय का निर्माण ➢ नगरों में खुले में शौच की प्रवृत्ति का उन्मूलन ➢ नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता ➢ ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
3	11 Sustainable cities and communities	पार्क निर्माण नगर निकाय लोहाघाट, चम्पावत में 04 पार्क का निर्माण	नगर निकाय पुरोला एवं कर्णप्रयाग में पार्क निर्माण किया गया	गढ़वाल मण्डल की प्रत्येक निकाय में दयानन्द भारती नाम से एक पार्क व कुमांऊ मण्डल की स्थानीय निकायों में खुषीराम के नाम से पार्क का निर्माण/जीर्णोद्वार ।	नगरों को सुन्दर बनाने एवं नगर निकायों में एक बार पार्को के निर्माण तथा वर्तमान में स्थित पार्को का सुदृढ़ीकरण।
		अवारा पषु बन्ध्याकरण योजनान्र्तगत नगर निगम, देहरादून, नगर पालिका परिषद, मंसूरी एवं नैनीताल में ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना व संचालन। नगर निकाय देहरादून, नैनीताल ,मसूरी में 24173ष्वान पषुओं की बाध्यकरण ष्वल्य चिकित्सा पूर्ण कर ली गई है	➢ नैनीताल, मसूरी, देहरादून में बध्याकरण का संचालन किया जा रहा है। 38768 पषुओं का बन्ध्याकरण शल्य चिकित्सा के माध्यम से शल्य चिकित्सा पूर्ण ➢ रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काषीपुर पिथौरागढ में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य प्रगति पर है	➢ रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काषीपुर में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। ➢ आवारा पशुओं का बाध्य चिकित्सा की जायेगी।	ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना के उपरान्त निकाय क्षेत्र में आवारा घूम रहे ष्वान पशुओं की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण सम्भव हो सकेगा।
		रैन बसेरा निर्माण देवप्रयाग,चम्बा, लक्सर, लोहाघाट, कर्णप्रयाग में 06 रैन बसेरों का निर्माण कार्य किया गया।	कोटद्वार एवं पुरोला में रैन बसेरे का निर्माण	कोटद्वार एवं पुरोला में रैन बसेरे का निर्माण किया जा रहा है	शहरी क्षेत्रों में आश्रयहीन गरीब लोगों को रात्रि विश्राम, ठहरने हेतु स्थान उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें शौचालय, बिस्तर, पानी आदि की निःशुल्क व्यवस्था होती है ।
		नगर निगम, देहरादून, नगर पालिका परिषद, मंसूरी एवं नैनीताल में ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना व संचालन। नगर निकाय देहरादून, नैनीताल ,मसूरी में 24173ष्वान पषुओं की बाध्यकरण ष्वल्य चिकित्सा पूर्ण कर ली गई है	➢ नैनीताल, मसूरी, देहरादून में बध्याकरण का संचालन किया जा रहा है। ➢ वर्तमान तक देहरादूनं 32551 मसूरी1438, नैनीतालं 1576 भवाली 137 भीमताल 102 डोईवाला 754 हर्बटपुर 370 विकासनगर 840 अल्मोडा में 1000 कुल 38768 पषुओं का बाध्यकरण शल्य चिकित्सा पूर्ण। ➢ रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काषीपुर पिथौरागढ में ए0बी0सी0	➢ रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काषीपुर में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। ➢ आवारा पशुओं का बाध्य चिकित्सा की जायेगी।	ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना के उपरान्त निकाय क्षेत्र में आवारा घूम रहे ष्वान पशुओं की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण सम्भव हो सकेगा।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
			कैम्पस का निर्माण कार्य प्रगति पर है।		
		बाह्य सहायतित योजना ए0डी0बी0–1 के अर्न्तगत 05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य	05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य, का कार्य पूर्ण 6 नये पम्प हाऊस निर्माण 204 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, 49550 घरों में जलापूर्ति पाईप लाईन 8500 घरो में सीवरेज का संयोजन, 173 नलकूप का निर्माण, 19 पेयजल शोधन संयंत्रों की स्थापना , 02 एस0टी0पी जिनकी कुल क्षमता 305 एम0एल0डी0 का निर्माण किया गया है।	देहरादून एवं नैनीताल में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य किए जायेंगे।	उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24X7) पेयजल, जल–मल प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क आदि) में शहरी जीवनशैली के स्तर अनुसार गुणवत्तापूर्ण सुधार।
		बाह्य सहायतित योजना ए0डी0बी0–1 के अर्न्तगत परियोजना का प्रारम्भिक प्राक्कलन एवं नियोजन सम्बन्धित कार्य।	प्रथम चरण में पांच नगर निकायों डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, किच्छा, खटीमा हेतु डीपीआर तैयार कर एडीबी को प्रेषित की जा चुकी है।	प्रथम चरण में पांच नगर निकायों डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, किच्छा, खटीमा में 24 X7 पेयजल, अपशिश्ट जल प्रबन्धन, बरसाती जल प्रबन्धन, शहरी सड़कें, यातायात और पार्किंग, वैंडिंग जोन, सूचना संपर्क तकनीकी और ओपन स्पेस जैसे कार्य किए जायेंगे।	स्वचालित स्काडा तकनीक से चौबीस घंटे पानी की सुविधा, प्रत्येक घर में पेयजल मीटर लगाकर पानी के अपव्यय को कम किया जा सके। अपशिष्ट जल प्रबन्धन। बरसाती पानी का प्रबन्धन सड़कों व पार्किंग का निर्माण कर यातायात प्रबन्धन छोटे फुटकर व्यापारियों हेतु वैन्डिंग जोन का निर्माण किया जायेगा।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
		अटल नवीनीकरण मिशन के अर्न्तगत जलापूर्ति (लक्ष्य– 47 योजना) के सापेक्ष 10 योजनाएं पूर्ण, 37 योजनाओं कार्य प्रगति पर। सीवरेज (लक्ष्य– 44 योजना) के सापेक्ष 25 योजनाएं पूर्ण, 19 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ड्रेनेज (लक्ष्य–16) 6 पूर्ण, 10 योजनाओं का कार्य प्रगति पर। ग्रीनस्पेस/पार्क (लक्ष्य–44) के सापेक्ष 24 योजनाए ंपूर्ण, 20 योजनाओं का कार्य प्रगतिपर।	➢ जलापूर्ति (लक्ष्य– 47 योजना) के सापेक्ष 10 योजनाएं पूर्ण, 37 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ➢ सीवरेज (लक्ष्य– 44 योजना) के सापेक्ष 25 योजनाएं पूर्ण, 19 निर्माणाधीन ड्रेनेज सेक्टर (लक्ष्य–16) 6 कार्य पूर्ण 10 योजनाओं कार्य प्रगति पर। ➢ ग्रीन स्पेस/पार्क लक्ष्य–44 के सापेक्ष 24 पूर्ण, 20प्रगति पर। ➢ नैनीताल, हल्द्वानी, रूद्रपुर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार, रूड़की मास्टर प्लान तैयार किये जाने हेतु जी0आई0एस0 मैपिंग का काम प्रगति पर है। ➢	➢ जलापूर्ति सेक्टर 40 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ सीवरेज सेक्टर 25 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ ड्रेनेज सेक्टर 12 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ ग्रीन स्पेस/पार्क सेक्टर 26 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ नैनीताल, हल्द्वानी, रूद्रपुर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार, रूड़की के लिए मास्टर प्लान तैयार किये जाने हेतु जी0आई0एस0 मैपिंग कार्य पूर्ण करना	➢ लागों को यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परिवार को निश्चित जलापूर्ति व सीवरेज कनैक्शन सहित नल सुलभ है। ➢ बाढ़ को कम करने और समाप्त करने के उद्देश्य से नालों व वर्षा जन नालों का निर्माण और सुधार। ➢ हरित क्षेत्र और सुव्यवस्थि4त खुले मैदान (अर्थात पार्क) विकसित करके शहरों की भव्यता में वृद्धि करना। ➢ जी0आई0एस0 मैपिंग के फलस्वरूप अमृत शहरों के अन्तर्गत विकास कार्यों के लिए परियोजना तैयार करने में सुविधा होगी।
		स्वच्छ भारत मिषन के अर्न्तगत 21250 शौचालय पूर्ण निर्मित 2– 1355 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण 3– 173 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मित तथा 35 निर्माणाधीन। 4- कुल 1134 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है।	24000 शौचालय पूर्ण निर्मित । 2– 2000 सीट के सामुदायिक /सार्वजनिक शौचालय पूर्ण । 3– 600 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मित । 5. कुल 1152 वार्डों में से घर–घर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है तथा 1040 वार्डो में Source Segregation किया जा रहा है। 6.	1– 3640 शौचालय का निर्माण । 2– 748 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का निर्माण। 3– 400 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय का निर्माण 4- 61 निकायों में ठोस अपषिष्ट प्रबन्धन का कार्य पूर्ण कराया जाना	➢ .जिन घरों में शौचालय नहीं थे उन घरों में शौचालय का निर्माण ➢ नगरों में खुले में शौच की प्रवृत्ति का उन्मूलन ➢ नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता ➢ ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण।
		प्रधानमन्त्री आवास योजनान्तर्गत 1025 आवास पूर्ण किये गये है तथा 7640 मकान का काम प्रगति पर है ।	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 190 परियोजनाएं में 14033 आवास स्वीकृत 8916 आवासों पर कार्य प्रगति पर व 3950 आवास पूर्ण । ➢ भागीदारी में किफायती आवास	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 6500 आवास को पूर्ण करा लिया जायेगा। ➢ भागीदारी मे ंकिफायती आवास घटक अंतर्गत 768 आवासों को पूर्ण कराने तथा 12000 आवासों	➢ इस परियोजना के अन्तर्गत आवासों का निर्माण करते हुए शहरी क्षेत्र में लोगों को अपना आवास तथा बुनियादी अवस्थापना सुविधाए ंजैसेः–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० Goals / Indicators	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
			घटक अंतर्गत 29 परियोजनाओं में 29900 आवास स्वीकृत 464 पर कार्यपूर्ण तथा 768 आवासों पर कार्य प्रगति पर।	का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।	
		स्मार्ट सीटी योजनान्तर्गत के अन्तर्गत इन्ट्रीग्रेटेड कमांड कन्ट्रोल का कार्य, वाटर ए0टी0एम0, स्मार्ट टायलेट, स्मार्ट स्कूल के निर्माण का कार्य प्रारम्भ।	➢ 04 स्मार्ट टायलेटों का निर्माण पूर्ण ➢ 24 वाटर ए0टी0एम0 की स्थापित किये जायेगे। ➢ 1200 मीटर सिवरेज लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण किया जायेगा। ➢ पल्टन बाजार विकास का कार्य प्रगति पर ➢ 50 वेरियेबल मैसेल साईन बोर्ड, 50 एनवायरमेंट सेन्सर, 528 सर्विलेंस कैमरा स्थापित ➢ 16 इन्टेलिजेंट पोल स्थापित किये जा चुके है। ➢ इन्टेलिजेन्ट पोल के साथ ही 70 कि0मी0 ओ0एफ0सी0 केबल बिछाने का कार्य पूर्ण किया जायेगा।	➢ शेष 03 स्मार्ट टायलेट का निर्माण ➢ शेष पल्टन बाजार का विकास कार्य पूर्ण किया जायेगा ➢ शेष 20 इलेक्ट्रिक बसों का संग्रहण किया जायेगा। ➢ इन्ट्रीग्रेटेड कमांड कन्ट्रोल सेन्टर के अन्तर्गत स्टेट डाटा सेन्टर की स्थापना का कार्य पूर्ण। ➢ शेष इन्टेलिजेन्ट पोल के साथ–साथ 100 कि0मी0 ओ0एफ0सी0 केबल बिछाने का कार्य पूर्ण किया जायेगा।	➢ देहरादून नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा निवासियों को उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	एस०डी० जी० **Goals / Indicators**	01–04–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	**31–03–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)**	**परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्श 2022–23**	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2022–23
4	12 sunstainable constructin and production	प्रधानमन्त्री आवास योजनान्तर्गत 1025 आवास पूर्ण किये गये है तथा 7640 मकान का काम प्रगति पर है ।	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 190 परियोजनाएं में 14033 आवास स्वीकृत 8916 आवासों पर कार्य प्रगति पर व 3950 आवास पूर्ण । ➢ भागीदारी में किफायती आवास घटक अंतर्गत 29 परियोजनाओं में 29900 आवास स्वीकृत 464 पर कार्यपूर्ण तथा 768 आवासों पर कार्य प्रगति पर।	➢ योजनान्तर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 6500 आवास को पूर्ण करा लिया जायेगा। ➢ भागीदारी मे किफायती आवास घटक अंतर्गत 768 आवासों को पूर्ण कराने तथा 12000 आवासों का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।	➢ इस परियोजना के अन्तर्गत आवासों का निर्माण करते हुए शहरी क्षेत्र में लोगों को अपना आवास तथा बुनियादी अवस्थापना सुविधाए जैसेः–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध होगी।
		स्वच्छ भारत मिषन के अर्न्तगत कुल 1134 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है।	कुल 1152 वार्डों में से घर–घर कूडा एकत्र किया जा रहा है तथा 1040 वार्डो में Source Segregation किया जा रहा है।	61 निकायों में ठोस अपषिष्ट प्रबन्धन का कार्य पूर्ण कराया जाना	➢ नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता ➢ ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण।
		बाह्य सहायतित योजना ए0डी0बी0–1 के अर्न्तगत 05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य	05 शहरो क्रमशं देहरादून, रूडकी, हल्द्वानी, नैनीताल, रामनगर में जल शोधन संयत्र का निर्माण एवं कमिषनिंग, 417 कि0मी0 लम्बी जलापूर्ति पाईप लाईन के बिछाने का कार्य, का कार्य पूर्ण 6 नये पम्प हाऊस निर्माण 204 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, 49550 घरों में जलापूर्ति पाईप लाईन 8500 घरो में सीवरेज का संयोजन, 173 नलकूप का निर्माण, 19 पेयजल शोधन संयंत्रों की स्थापना , 02 एस0टी0पी जिनकी कुल क्षमता 305 एम0एल0डी0 का निर्माण किया गया है।	देहरादून एवं नैनीताल में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य किए जायेंगे।	उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24X7) पेयजल, जल–मल प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क आदि) में शहरी जीवनशैली के स्तर अनुसार गुणवत्तापूर्ण सुधार।